

मैया का भवन सजा दूँगी

कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी.....-2

जो मेरी मैया टिका माँगे, बिंदी और लगा दूँगी,
जब मेरी मैया पैहन के निकलै, जयकारा लगा दूँगी,
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

जो मेरी मैया कुंडल माँगे, नथनी भी पैहना दूँगी,
जो मेरी मैया पैहन के निकलै, जयकारा लगा दूँगी,
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

जो मेरी मैया पेंडल माँगे, माला भी पैहना दूँगी,
जो मेरी मैया पैहन के निकलै, जयकारा लगा दूँगी,
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

जो मेरी मैया चूड़ी माँगे, मेहंदी भी लगवा दूँगी,
जो मेरी मैया पैहर के निकलै, जयकारा लगा दूँगी,
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

जो मेरी मैया चोला माँगे, चुनर भी ओढ़ा दूँगी,
जब मेरी मैया ओढ़ के निकले, जयकारा लगा दूँगी,
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

जो मेरी मैया पायल माँगे, बिछुर भी मँगा दूँगी,
जो मेरी मैया पैहर के निकलै, जयकारा लगा दूँगी,
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

जो मेरी हलवा मांगे, पूरी भी बना दूँगी,
जब मेरी मैया भोग लगाए, जयकारा लगा दूँगी
कोठे ऊपर कोठड़ी, मैया का भवन सजा दूँगी॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24187/title/maiya-ka-bhawan-saja-dungi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |